

राष्ट्र के विकास एवं राजनीति में महिलाओं का योगदान

*राजेन्द्र कुमार शर्मा

*डॉ. हंस कुमार शर्मा

शोध सारांश

यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता। भारतीय संस्कृति में नारी सदा ही शक्ति के रूप में पूजनीय रही है। प्राचीन काल से हमारे ऋषियों की मान्यता रही है कि जहाँ नारी की पूजा होती है, वहाँ देवता निवास करते हैं। चाहे वैदिक काल में नारियों रही हो अथवा उन्नीसवीं व बीसवीं सदी की क्रांतिकारी महिलाएं रही हो या आजकी राजनीतिक महिलाएं हो, ये सभी नारी शक्ति के विभिन्न रूप हैं। नारी में ममता, धैर्य, करुणा, दया, प्रेम, त्याग एवं समर्पण ये सभी गुण विद्यमान हैं। परन्तु फिर भी महिलाओं को आज भी समाज में उचित सम्मान नहीं मिला है। आज भी उनके साथ अपराध एवं अत्याचार दिनों दिन बढ़ते जा रहे हैं। ये महिलाओं पर हो रहे अत्याचार राष्ट्र के विकास एवं संस्कृति में बाधक हैं। महिलाओं के प्रति जो लोगो की खराब सोच,मानसिकता है उसे दूर करके उन्हें देश, समाज एवं राजनीति में उचित सम्मान दिलाया जा सकता है।

महिलाओं को आधुनिक तकनीकी शिक्षा के द्वारा प्रशिक्षित कर एवं समान अवसर प्रदान कर महिलाओं को राष्ट्र के विकास में उपयोग किया जा सकता है। भारतीय संस्कृति, राष्ट्र के विकास एवं राजनीति में नारी का बहुत बड़ा योगदान रहा है। इस शोध पत्र के माध्यम से महिलाओं का राष्ट्र के विकास एवं राजनीति में योगदान की व्याख्या की जा रही है।

मूल शब्द: राष्ट्र के विकास, समाज, राजनीति, महिलाओं, सम्मान

प्रस्तावना:

एक राष्ट्र के विकास में महिलाओं का योगदान बहुत महत्वपूर्ण है। कोई भी राष्ट्र तभी विकास कर सकता है जबकि उस देश की नारी जाति देश के विकास में पूर्ण रूप से भागीदार हो। आज की महिला केवल माँ, बहन, बेटी, पत्नी नहीं रही है बल्कि इसके आलावा एक शिक्षक, डॉक्टर, इंजीनियर, कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, वैज्ञानिक, अंतरिक्ष विज्ञानी, वित्तमंत्री, मुख्यमंत्री, अंतर्राष्ट्रीय खिलाडी, सेना में मेजर/कर्नल, बैंको की प्रबंध निदेशक आदि के रूप में कार्य कर राष्ट्र के विकास में योगदान दे रही है। राष्ट्र के विकास एवं राजनीति में महिलाओं के योगदान का निम्नलिखित आधार पर विवेचन किया जा रहा है :-

परिवार में योगदान: एक महिला का परिवार में महत्वपूर्ण स्थान होता है। एक परिवार को बाँध कर रखने का कार्य एक महिला ही कर सकती है। एक बच्चा जब जन्म लेता है तो उसका सबसे पहला शब्द माँ ही होता है तथा एक बच्चे की प्रथम गुरु माँ ही होती है। एक बच्चे को माँ ही बताती है की क्या अच्छा है तथा क्या बुरा है। एक महिला

राष्ट्र के विकास एवं राजनीति में महिलाओं का योगदान

राजेन्द्र कुमार शर्मा एवं डॉ. हंस कुमार शर्मा

अपने परिवार में बच्चों को अच्छी शिक्षा देकर राष्ट्र प्रेम, ईमानदारी, मेहनत, जिम्मेदारी की भावना का विकास करती है। एक महिला माँ, बहन एवं पत्नी के रूप में सभी को अपनापन एवं प्रेम प्रदान करती है।

समाज में योगदान: मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है तथा बिना मनुष्य के समाज की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। एक समाज में महिला का महत्वपूर्ण स्थान है। मदर टेरेसा ने पुरे देश में दीन, दुखी, पीड़ितों की आजीवन निस्वार्थ सेवा कर राष्ट्र के विकास में योगदान दिया जिसके लिए उन्हें भारत के सबसे बड़े सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया गया। बालिका शिक्षा के क्षेत्र में विकास के लिए श्रीमती सावित्रीबाई फुले का बहुत बड़ा योगदान है। पर्यावरण संरक्षण के कार्य करने के लिए श्रीमती मेधा पाटकर का बहुत बड़ा योगदान है। समाजसेवाके क्षेत्र में प्रमिला दंडवते एवं डॉ. रंजना कुमारी का भी योगदान रहा है।

खेल के क्षेत्र में योगदान: हमारे देश में खिलाड़ियों के लिए संसाधनों की बहुत बड़ी कमी है लेकिन इसके बावजूद भी खिलाड़ी पूरी मेहनत के साथ तैयारी करते हैं। खेल के क्षेत्र में भारतीय महिला खिलाड़ियों में गीता फोगट, साक्षी मलिक(रेसलिंग), मिथालीराज (क्रिकेट), दीपिका कुमारी (आर्चरी), दीपा कर्माकर (जिमनास्टिक), तानिया सचदेव (चेस), बूला चौधरी (स्वीमिंग), आकांक्षा सिंह (बास्केटबाल), पी.वी. सिंधु, साईना नेहवाल (बेडमिन्टन), सानिया मिर्जा (टेनिस), मेरीकोम (बोक्सिंग), आदि ने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल जगत में हमारे देश का नाम रोशन किया है।

रक्षा एवं पुलिस सेवा के क्षेत्र में योगदान: वर्तमान समय में महिलाएं रक्षा, सशस्त्र बल सेवा एवं पुलिस सेवा में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलकर गर्मी, सर्दी, बारिश में कार्य कर देशभक्ति का उदाहरण प्रस्तुत कर रही हैं। महिलाये रक्षा सेवा में मेजर/कॉर्नल, सशस्त्र बल सेवा में कमांडेंट एवं पुलिस सेवा में कॉन्स्टेबल, निरीक्षक, पुलिस अधीक्षक आदि पदों पर कार्य कर राष्ट्र के विकास में योगदान कर रही हैं। इसका सबसे बड़ा उदाहरण भारत की प्रथम महिला रक्षा सेवा मेंडॉ. पुनीता अरोडा, डॉ. पद्मा बंधोपाध्यायरही है एवं पुलिस सेवा में प्रथम महिला आई.पी.एस. अधिकारी किरण बेदी कोश्रेष्ठ कार्य के लिए मेग्सेसे पुरस्कार दिया गया।

साहित्य, फिल्म एवं कला के क्षेत्र में योगदान:

साहित्य के क्षेत्र में महिलाओं का बहुत बड़ा योगदान रहा है इनमें सरोजनी नायडू, महादेवी वर्मा, अरुंधती रॉय, अनीता देसाई, शोभा डे आदि लेखिकाएं हैं। अरुंधती रॉय को उनके उपन्यास के लिए प्रसिद्ध बुकर पुरस्कार से सम्मानित भी किया गया है। इसमें ऐश्वर्या रॉय, सुस्मिता सेन, लता मंगेशकर, श्रेया घोषाल, त्रिपुरारी शर्मा, शोभा नारायण, अर्पणा कौर आदि का महत्वपूर्ण योगदान है।

वाणिज्य एवं उद्योग के क्षेत्र में योगदान: वाणिज्य एवं उद्योग के क्षेत्र में महिलाओं ने काफी योगदान दिया है :वर्तमान में हमारे देश की वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण हैं। आई.सी.आई.सी.आई. बैंक की सी.एम.डी. श्रीमती चंदा कोचर रही हैं। बहुत सी महिलाये देश में बैंको एवं प्रसिद्ध औद्योगिक कंपनियों में निदेशक की भूमिका निभा रही हैं।

चिकित्सा एवं विज्ञान के क्षेत्र में योगदान: चिकित्सा के क्षेत्र में डॉ. जयन्ती दत्ता, श्रीमती असीमा चटर्जी, श्रीमती मंगला नर्तिकर, कमला सोहोनी, जानकी अम्मल तथा आनंदी बाई जोशी ने काफी योगदान दिया है। अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में कल्पना चावला, वन्दना शिवा, तथा डॉ. टेसी थॉमस ने अग्नि-5 मिसाइल के परीक्षण का प्रतिनिधित्व करके विज्ञान के क्षेत्र में योगदान देकर मिसाइल-वुमेन कहलायी।

राजनीति के क्षेत्र में योगदान: राजनीति के क्षेत्र में महिलाएं काफी योगदान दे रही हैं लेकिन अभीभी इनकी देश एवं राज्य की राजनीति में संख्या बहुत कम है, लेकिन ग्राम पंचायतों एवं नगरपालिकाओं में महिलाओं की संख्या में

राष्ट्र के विकास एवं राजनीति में महिलाओं का योगदान

राजेन्द्र कुमार शर्मा एवं डॉ. हंस कुमार शर्मा

दिनोदिन वृद्धि हो रही है। महिलाओं के जीवन में बहुत सारी परेशानियाँ आती हैं लेकिन उससे दूर नहीं भागना चाहिए बल्कि उन समस्याओं को दूर करने का रास्ता ढूँढना चाहिए। वर्तमान समय में महिलाएं अपने घर में भी कुशलतापूर्वक कार्य करती हैं तथा राजनीति/समाज/सरकारी सेवा में भी पूरी जिम्मेदारी के साथ कार्य कर रही हैं। फिर भी राजनीतिक क्षेत्र में कार्य करते हुए महिलाओं को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है जैसे कि पार्टी में, मंत्रिमंडल एवं संगठन में उचित सम्मान एवं पद नहीं मिलना, कम महत्व के कार्य देना, महिलाओं का अशिक्षित होना, महिलाओं की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होना, राजनीति में पुरुषों का अधिकार होना, समाज में बदनामी का डर होना आदि। फिर भी हमारे देश की महिलाएँ राजनीति में अपनी स्वयं की इच्छाशक्ति के साथ कार्य करती हुई आगे बढ़ रही हैं। उपरोक्त परेशानियों का सामना करते हुए हमारे देश की प्रसिद्ध राजनीतिक महिलाएँ राजनीति में आयीं एवं राजनीतिक क्षेत्र में सफलतापूर्वक कार्य किया जैसे कि प्रथम महिला राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटिल, प्रथम महिला प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गाँधी, प्रथम महिला लोकसभाध्यक्ष श्रीमती मीरा कुमार, प्रथम महिला राज्यपाल श्रीमती सरोजनी नायडू, प्रथम महिला उपराज्यपाल श्रीमती किरण बेदी एवं राजस्थान में प्रथम महिला विधानसभा अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा सिंह, प्रथम महिला मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे सिंधिया, श्रीमती कमला आदि। वर्तमान में श्रीमती निर्मला सीतारमण, श्रीमती स्मृति ईरानी, श्रीमती ममता बनर्जी, श्रीमती सोनिया गाँधी, श्रीमती मेनका गाँधी, श्रीमती प्रियंका गाँधी, श्रीमती वसुंधरा राजे सिंधिया आदि महिलाएँ देश एवं राज्य की राजनीति में शानदार भूमिका निभा रही हैं। इनके अलावा देश में काफी महिलाएँ अपनी स्वयं की इच्छाशक्ति से राष्ट्र के विकास एवं राजनीति में कुशलतापूर्वक योगदान कर रही हैं।

महिलाओं के द्वारा राजनीति एवं समाज में सक्रिय भागेदारी के उपायः—

हमें समाज में ऐसे निम्न उपाय करने चाहिए जिससे कि महिलाएँ राजनीति एवं समाज में अपनी इच्छाशक्ति के साथ सक्रिय भागीदार बनें :-

1. महिलाओं को ग्रेजुएशन के लेवल तक अनिवार्य रूप से मुफ्त शिक्षा प्रदान की जाये।
2. महिलाओं को पति, परिवार एवं समाज की तरफ से पूर्ण सहयोग एवं सम्मान मिले।
3. ग्राम पंचायतों, नगरपालिका, विधानसभा एवं लोकसभा के चुनावों में भाग लेना अनिवार्य किया जाये।
4. आर्थिक स्तर में वृद्धि के लिए उचित रोजगार के अवसर देने के लिए प्रशिक्षण दिया जाये।
5. राजनीति में महिलाओं को सम्मानजनक स्थान प्रदान किया जाना चाहिए।
6. महिलाओं को उनकी सुरक्षा के लिये प्रशिक्षण एवं पूरी सुरक्षा प्रदान की जाए।

निष्कर्ष

नारी ईश्वर की एक श्रेष्ठ कृति है। ये राष्ट्र के विकास में बहुत बड़ा योगदान दे सकती है। लेकिन हमें महिलाओं पर हो रहे अपराध, अत्याचार तथा भेदभाव को रोकना होगा। जिस दिन से हमारे देश का प्रत्येक आदमी एक महिला को अपनी बहन और बेटे के रूप में सम्मान देने लग जायेगा उसी दिन से ये अपराध एवं अत्याचार खत्म होना शुरू हो जायेंगे। इसके लिये हमें लोगों के विचारों एवं सोच में बदलाव लाना होगा। इसके लिए अनिवार्य महिला शिक्षा, महिला सुरक्षा, महिलाओं की सुरक्षा के लिए प्रशिक्षण देना, महिलाओं के प्रति सम्मान की विचारधारा बनाने पर जोर, परिवार एवं समाज में सम्मान देना, राजनीति एवं समाज में उचित पद एवं समान अवसर देना होगा। तभी महिलाओं के साथ हो रहे अत्याचार एवं अपराध में कमी आयेगी तथा महिलाएँ राष्ट्र के विकास, समाज एवं राजनीति में पूरा योगदान दे पायेगी।

राष्ट्र के विकास एवं राजनीति में महिलाओं का योगदान

राजेन्द्र कुमार शर्मा एवं डॉ. हंस कुमार शर्मा

*शोधार्थी,
समाजशास्त्र विभाग,
कैरीयर पॉइंट यूनीवर्सिटी, कोटा (राजस्थान)
**प्राचार्य,
श्री वीर तेजाजी पी.जी. महाविद्यालय,
राणावास (जयपुर)

संदर्भ—सूची:

1. मिश्रा मंजु, "भारत की महान नारियां", शिव बुक डिपो, जयपुर,
2. सारस्वत स्वपनिल, "भारतीय, समाज राजनीति एवं महिलायें : दशा एवं दिशा", राधा पब्लिकेशन, नई दिल्ली
3. सुनील गोयल, "भारतीय समाज में नारी", आर.बी.एम.ए. पब्लिकेशन, जयपुर, 2003
4. कोठारी रजनी "भारत में राजनीति" ऑरियन्ट लॉगमैन लि0, नई दिल्ली, 1990,
5. चेतन मेहता, "महिला एवं कानून", आशीश पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1996,
6. [wikipedia.org/wiki/list of female/ indiangooverments](http://wikipedia.org/wiki/list_of_female/indiangoverments)
7. w.google.co.in/women in India/

राष्ट्र के विकास एवं राजनीति में महिलाओं का योगदान

राजेन्द्र कुमार शर्मा एवं डॉ. हंस कुमार शर्मा